

प्रेषक,

राकेश शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
नागरिक उद्डयन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून।  
परिवहन एवं नागरिक उद्डयन अनुमान-2

नवम्बर

देहरादून: दिनांक 2 अक्टूबर, 2012

विषय— जनपद देहरादून में ऋषिकेश डोईवाला मोटर मार्ग के किमी0 16 हेमी0 2 से जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन की एप्रोच रोड हेतु दो लेन मार्ग के निर्माण हेतु द्वितीय किश्त के रूप में ₹ 50.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक जनपद देहरादून में ऋषिकेश डोईवाला मोटर मार्ग के किमी0 16 हेमी0 2 से जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन की एप्रोच रोड हेतु दो लेन मार्ग के निर्माण, साईनेज कैटस, आईज टी गार्ड, साइन बोर्ड, कोशन बोर्ड आदि एवं भूमि अध्याप्ति एवं एन0पी0वी0 आदि के एकमुश्त प्राविधान हेतु अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश के द्वारा गठित आगणन ₹ 203.91 लाख (₹ दो करोड़ तीन लाख इक्यान्बे हजार मात्र) के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत ₹ 194.34 लाख (₹ एक करोड़ चौरान्बे लाख चौतीस हजार मात्र) की लागत के आगणन के विरुद्ध वित्तीय वर्ष 2009-10 में प्रथम किश्त के रूप में शासनादेश संख्या-102/IX/2010/01/2008 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा ₹ 50.00 लाख (₹ पचास लाख मात्र) की धनराशि स्वीकृत की गयी तत्क्रम में आपके पत्र संख्या:29-30/रा.ना.उ.नि./जे.-2/2012 दिनांक 17.04.2012 के दृष्टिगत मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में ₹ 50.00 लाख (₹ पचास लाख मात्र) द्वितीय किश्त के रूप में आपके निर्वतन पर रखी गई धनराशि से व्यय की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- उक्त धनराशि अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड लो0नि0वि0, ऋषिकेश को रेखांकित बैंक ड्राफ्ट अथवा कोषागार चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- निर्माण कार्य कराते समय नियमानुसार उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति 2008 का अनुपालन किया जायेगा।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में जाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय एवं इस संबंध में पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्चेज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय।
- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-2047/XIV-291(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आंगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाय।

(v) स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31-03-2013 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। यदि दिनांक 31-03-2013 तक कोई धनराशि अवशेष रहने पर शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

(vi) कार्यदायी संस्था को आवित कार्य निश्चित समय सीमा में पूर्ण कराया जाना होगा तथा कार्य की गुणवत्ता में कमी, कार्यों में शिथिलता एवं समयबद्धता के लिये सम्बन्धित निर्माण ईकाई पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

2. शेष शर्तें शासनादेश संख्या-102/IX/2010/01/2008 दिनांक 31 मार्च, 2010 के अनुसार रहेंगी।

3.- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष-2012-13 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूँजीगत परव्यिय-02-विमानपत्तन- आयोजनागत-800-अन्य व्यय 04-हवाई पट्टी का सुदृढ़ीकरण एवं अन्य सम्बद्ध निर्माण कार्य-00-24 वृहद निर्माण की मद के नामे डाला जायेगा।

4.- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-624/XXVII(2)/2012, दिनांक 26, सितम्बर, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(राकेश शर्मा)

प्रमुख सचिव।

संख्या-२२९ (1)/2012/1/IX/2008 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1- महालेखाकार, (ए एण्ड ई) लेखा एवं हकदारी, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।

2- महालेखकार, (आडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/ 105, इन्दिरानगर, देहरादून।

3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।

4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो०नि०वि० ऋषिकेश (देहरादून)।

5- वित्त अनुभाग-2

6- एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर देहरादून।

7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(रमेश चन्द्र लोहनी)

अपर सचिव।